TLM निर्माण पर Case Study

प्रधान पाठक का परिचय :-

शिक्षक का नाम - श्री शंकर लाल पाल

पिता जी - श्री हरि राम पाल

जन्मतिथि- 08/05/1964

पता:- संतोषी नगर गरियाबंद विकासखंड व जिला गरियाबंद

संपर्क नम्बर :- 8319285576

शैक्षणिक योग्यता:- MA (संस्कृत) D.ed

पद:- प्रधान पाठक

पदस्थ संस्था: शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोकड़ी संकुल नहर गाँव

पदस्थापना तिथि:- 26/12/2011

किये गए कार्य:- शाला में बच्चों की उपस्थिति पर कार्य, शाला की सौंदर्यीकरण, विभिन्न सहायक शिक्षण सामग्री तैयार करवाना, शाला में अहाता निर्माण,पेयजल सुविधा के अंतर्गत बोरवेल की सुविधा उपलब्ध करवाना, समतलीकरण कार्य, वृक्षारोपण करके शाला को सुंदर एवं आकर्षक बनाना,

सामाजिक सन्दर्भ:- आदिवासी बाहुल्य गाँव कोकड़ी में गोड़ जनजाति के अतिरिक्त अन्य वर्ग के लोग भी निवास करते है एवं शाला में अध्ययनरत अधिकतर विद्यार्थी आदिवासी जनजाति के है। ग्रामीण परिवेश होने के कारण बच्चों में झिझक एवं किसी विषय वस्तु को समझने में दिक्कतें महसूस होती थी। यँहा के पालक सदस्य शिक्षित एवं जागरूक है। जब मैं प्रथम बार यँहा आया तो शाला की स्थिति अच्छी नही थी जिसमे और बहुत कुछ सुधार करने की आवश्यकता थी। जिसको पालको एवं जनभागीदारी समिति की सहयोग से और अधिक सुधार कार्य करवाया गया। साथ ही बच्चों में सीखने की रुचि को बढ़ाने के लिए tlm की आवश्यकता महसूस किया और अपने शाला के अन्य शिक्षकों के साथ मिलकर tlm निर्माण पर जोर दिया।जिसके परिणाम स्वरूप बच्चे पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने लगे।

चुनौतियाँ :- जब मैं सन 2010 में प्रधान पाठक बनकर इस शाला में पहली बार आया तो मन मे बहुत खुशी थी साथ ही कुछ नया करने की ललक भी जागृत हुई। शाला में आया तो न तो चारदीवारी थी,न पेयजल सुविधा,स्कूल के बाहर झाड़िया और उबर खाबड मैदान थी, बच्चों की उपस्थिति भी उस अनुरूप नही थी जो एक शाला में होना चाहिये। बालक एवं बालिकाओ के लिए प्रसाधन सुविधा उपलब्ध नही था।बच्चे भी अधिकतर स्कूल यूनिफॉर्म का उपयोग नही करते थे। बच्चों को जब पाठ का अध्ययन कराया जाता तो तो सकारात्मक परिणाम नही मिल पाता। शाला में बच्चों का सीखना बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है और फिर मुझे लगा कि बच्चों को सिखाने के लिए कुछ नवीन सहायक सामग्रियों का उपयोग किया जाए ताकि उनकी समझ पक्की हो सके।

रणनीति:- बच्चों में सीखने की दक्षता को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नए नए शिक्षण गतिविधियों की आवश्यकता महसूस हुई जिससे विद्यार्थी संबंधित विषयवस्तु को अच्छी तरह समझ सके। चुकी किसी भी वस्तु को देखकर सीखने की प्रक्रिया ज्यादा प्रभावी होती है इसे ध्यान में रखकर गणित एवं विज्ञान का अध्यापन नए शिक्षण अधिगम सामग्रियों के माध्यम से करवाना उचित समझा। मेरे विद्यालय की शिक्षकों द्वारा विषय वस्तु से संबंधित विभिन्न TLM का निर्माण करवाया गया जैसे जलचक्र, वाटर हार्वेस्टिंग, स्थानीय मान, ज्यामिति आकृतिया , कोण एवं समय मापन, Noun and Pronoun , Article, व्याकरण सम्बंधित TLM, प्रिंटरिच कार्य, आदि और उसका अध्यापन कार्य मे उपयोग करना सुनिश्चित किया गया।

परिणाम:- आदिवासी बाहुल्य गाँव होने के कारण बच्चों में सीखने की ललक एवं शिक्षा की स्तर को उच्च करने के लिए भले ही मैन समुदाय,पालक सदस्यों एवं अपने शिक्षकों के साथ मिलकर यह कार्य किया परंतु मन मे भी यह शंशय बना हुआ था कि परिणाम अपेक्षाकृत हो पायेगा या नही। मैने अपना कार्य जारी रखा और धीरे धीरे मेरे शाला में बदलाव आना शुरू हुआ जिसे देखकर बहुत ज्यादा प्रसन्नता महसूस हुई।आज मेरे शाला में बच्चों के साथ साथ पालक सदस्य भी विभिन्न कार्यक्रमों के लिए आगे आते है। कक्षा में TLM का प्रयोग कर अध्यापन कार्य करवाने से अब बच्चे और अधिक रुचि लेकर पढ़ाई कार्य करने लगे। विषयवस्तु को अब गहराई से समझ सकते है। देखकर सीखे गए बातो को वे लंबी समय तक मनमस्तिष्क में धारण कर सकते है। इस सभी को देखकर मुझे निश्चित ही यह महसूस होता है कि मेरे द्वारा करवाये गए कार्य का परिणाम सकारात्मक रहा।

स्थानीय मान
PLACE VALUE
TH
H
Tens
O
हजार
सैकड़ा
दहाई
इकाई